

12^L
23

पत्रवली पेशा वकील उभयपक्ष
 उप. वकील प्रतिवादी ने प्रथम पत्र
 अन्तर्गत आदेश 07 दिनांक 11/11/20
 सिपाही द्वारा 15/11/20 पेशा व
 निवेदन विषय कि वादग्राम आराजी
 में खपल है: 330/202 के आवेदा
 मंजी आई को दो पक्षों के बनाया लेविंग
 व. नं. 330/202 के किमी आवेदा को पक्षों
 संयोजित रही किया साथ ही प्रि. नं.
 01 नं. 330 वादग्राम भूमि दिनांक
 02.01.2022 को बेचान व. दिया जो
 दो साल पहले बेचान हुआ बरीददा
 को आज दिनांक पक्षों रही बनाया
 व प्रतिवादी लं. 01 साथ आज वादग्राम
 आराजी ले किमी प्रमाण में बंधी रही है
 अतः पक्षों पत्र सिपाही व वाद

तारीख हुक्म

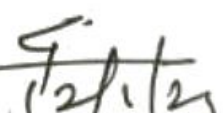
हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर या मय
जो इस हुक्म
में

पक्षकारों के संयोजित नया मसौदा
 आहर होने से वाजिब उ (भाव)
 पत्रावली में दस्तावेजों के सुस्पष्ट प्रमाणों के
 विचार गायर। वकील वादी अधुना गायर।
 ए. नं. 330/703 वीर सिंह पुत्र जोग सिंह
 के नाम दर्ज है जिसे था उक्त निधि व
 वाजिमान को पक्षकार संयोजित नहीं
 किया जबकि उक्त वादीया ने वाजिदारी
 आदिवाही मांग की है। साथ ही
 निम्न निम्न के अनुसार ए. नं.
 330/704 ए. नं. 01 ने दो साल पूर्व
 खेदान कर दिया। जरी ददा उ
 अज दिनांक के पक्षकार नहीं खगने
 से वादपत्र अबत हो चुका है। अत
 पत्रावली की तरफ पक्षकारों के
 अनुमोदन व अबत होने से वाजिबी
 नहीं होने के कारण इस तरफ पर वाजि
 विचार नहीं। वादीया पुनः सभी पक्षकारों
 को पक्षकार बना डल निधि अउता। पृथक्
 से वाद फा पेश करने हेतु स्वतंत्र है।
 पत्रावली केवल सुमा होकर नगरे।
 से उक्त की जाकर दाखिल दखल
 हो।

tedy

1/2000


 सहायक कलेक्टर
 (S. D. O.) खेदा